कैंसर के इलाज, प्रवासी पक्षियों के व्यवहार का अध्ययन करेगा लविवि

लखनऊ। लविवि कैंसर के इलाज के साथ प्रवासी पक्षियों के व्यवहार का अध्ययन करेगा। सात शिक्षकों को को 30-30 लाख के सात प्रोजेक्ट मिले हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार नई शिक्षा नीति उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार पर जोर देती है। बताया कि यह अनुदान मेडिसिन एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सामाजिक लाभ के अन्य क्षेत्रों में शोधों के लिए स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना के तहत साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड, विज्ञान तथा तकनीकी मंत्रालय से मिला है।

सबसे ज्यादा चार प्रोजेक्ट रसायन विज्ञान विभाग को, दो जूलॉजी को और एक प्रोजेक्ट सांख्यिकी विभाग को दिया गया है। डॉ. नीरज कुमार मिश्रा ड्रग कैंडिडेट्स के लेट-स्टेज सी-एच फंक्शनलाइजेशन पर काम करेंगे।

डॉ. सुनील कुमार राय को कैंसर की दवाओं के संयोजन के लिए अनुदान मिला है। डॉ. प्रतिभा बंसल और डॉ. सीमा मिश्रा को अधिक क्षमता वाली विद्युत रासायनिक ऊर्जा भंडारण उपकरणों के निर्माण पर काम करना है। जूलॉजी विभाग में डॉ. आशुतोष रंजन और डॉ. आकांक्षा शर्मा को प्रवासी पक्षियों के व्यवहार पर काम करने के लिए अनुदान मिला है। सांख्यिकी विभाग के प्रो. शशि भूषण को रैंक्ड सेट सैंपलिंग प्रोटोकॉल के तहत मजबूत अनुमान प्रक्रियाओं पर काम करना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन कक्षाएं चलाकर पूरा होगा कोर्स

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पिछड़ते शैक्षणिक सत्र को पटरी पर लाने के लिए ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन कक्षाओं का सहारा लिया जा सकता है। चार जून से ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा हुई है।

इसके साथ ही तय अवधि में कोर्स पूरा करने का भी निर्देश दिया है। विवि में सम सेमेस्टर की कक्षाएं अप्रैल में शुरू हुई हैं। परीक्षा से पहले 90 दिन कक्षाएं चलाने की बाध्यता से विवि अब दोनों माध्यम से पढ़ाई की योजना बना रहा है।

लविवि का शैक्षणिक सत्र हर साल 16 जुलाई से शुरू होता है। सामान्य दिनों में अप्रैल में सम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो जाती हैं। इस साल विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में देरी से सम सेमेस्टर की पढ़ाई अप्रैल में शुरू हो पाई। सेमेस्टर में कम से कम 90 दिन कक्षाएं चलाने के बाद ही परीक्षाएं हो सकती हैं। वहीं, चार जून तक अधिकतम 50 दिन की कक्षाएं ही चल सकती हैं। इसे देखते हुए विभिन्न विभागाध्यक्षों ने ऑनलाइन कक्षाओं की योजना बनाई है। एक विभागाध्यक्ष के अनुसार कोरोना काल ने हमें हर समस्या का समाधान तलाशने की सीख दी है। ग्रीष्मकालीन अवकाश में ऑनलाइन कक्षाएं चलाने की योजना बनाई जा रही है, जिससे कोर्स पूरा हो सके।

लविवि : सत्र नियमित करने के लिए चार जून से शुरू हो रहे ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी कक्षाओं की तैयारी

> बगैर कोर्स पूरा हुए परीक्षा नहीं
>
> विद्यार्थियों की परीक्षा और पढ़ाई दोनों समान महत्व के विषय हैं। बगैर कोर्स पूरा हुए परीक्षा नहीं कराई जा सकती है। विभागाध्यक्षों को सिलेबस पूरा कराने के लिए कहा गया है। इसके लिए सभी विकल्पों पर विचार होगा।
> -डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि

23 साल बाद ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद परीक्षाएं

लविवि में वर्ष 2000 से पहले तक परीक्षाओं की शुरुआत जून के बाद होती थी। ज्यादातर समय ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद ही ऐसा होता था। कोरोना काल में शैक्षणिक सत्र बेपटरी हुआ। संक्रमण का असर खत्म होने के बाद सत्र नियमित होने का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन इस बार स्थिति उल्ट है। ऐसे में करीब 23 साल बाद फिर से परीक्षाओं की शुरुआत ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद हो पाएगी। एलएलबी पाठ्यक्रम की पढ़ाई समय से होने से सिर्फ उसी के इम्तेहान जून में शुरू होते दिखाई पड़ रहे हैं। बाकी सभी स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षा जुलाई से पहले होने की उम्मीद नहीं है।

डाटा साइंस में रोजगार के अधिक अवसर

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी संकाय में सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत मंगलवार को चार दिवसीय कोडिंग एंड प्रोग्रामिंग हैकथॉन कार्यक्रम शुरू हुआ। मुख्य अतिथि डीन प्रो. एके सिंह ने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डाटा साइंस व ब्लॉक चैन में रोजगार और शोध की अपार संभावनाएं हैं। कहा कि हैकथॉन छात्रों को शैक्षिक शिक्षा का परीक्षण करने के लिए नया मंच दे रहा है। डॉ. हिमांशु पांडेय ने कहा कि हैकथॉन छात्रों को न केवल प्रतियोगी क्षमता देगा बल्कि कोडिंग और प्रोग्रामिंग में अवसरों के लिए भी तैयार करेगा। (संवाद)

NBT PAGE 4

एलयू : रिसर्च के लिए मिला ₹2 करोड़ 10 लाख का अनुदान

एनबीटी सं, लखनऊ :

एलयू के 7 शिक्षकों को अलग-अलग क्षेत्र में शोध करने के लिए 2 करोड़ 10 लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। यह अनुदान स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस (श्योर) योजना के तहत साइंस एंड इंजिनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय की ओर से दिया गया है।

एलयू के सात शिक्षक सात अलग-अलग प्रॉजेक्ट में करेंगे काम

एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि इस अनुदान की मदद से मेडिसिन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सामाजिक लाभ के अन्य क्षेत्रों में नए शोध किए जाएंगे। अलग-अलग विभागों में शिक्षकों को 30-30 लाख के 7 प्रोजेक्ट मिले हैं। रसायन विज्ञान विभाग को 4, जूलॉजी विभाग को 2 और सांख्यिकी विभाग को 1 प्रॉजेक्ट दिया गया है। डॉ. नीरज मिश्रा ड्रग कैंडिडेट्स के लेट-स्टेज सी-एच फंक्शनलाइजेशन पर शोध करेंगे। डॉ. सुनील कुमार राय कैंसर चिकित्सा के लिए दवाओं के संयोजन पर काम करेंगे। डॉ. प्रतिभा वंसल और डॉ. सीमा मिश्रा अधिक क्षमता वाली विद्युत रासायनिक ऊर्जा भंडारण उपकरणों के निर्माण पर रिसर्च करेंगी। जूलॉजी विभाग में डॉ. आशुतोष रंजन और डॉ. आकांक्षा शर्मा को प्रवासी पक्षियों के व्यवहार पर रिसर्च करने के लिए फंड दिया गया है। सांख्यिकी विभाग के प्रो. शशि भूषण रैंक्ड सेट सैंपलिंग प्रोटोकॉल के तहत अनुमान प्रक्रियाओं पर काम करेंगे।

i-NEXT PAGE 6

एलयू में शुरू हुआ हैकथॉन प्रोग्राम

LUCKNOW (9 May) : लखनऊ यूनिवर्सिटी के अभियांत्रिकी संकाय में सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत चार दिवसीय कोडिंग एंड प्रोग्रामिंग हैकथॉन की मंगलवार से शुरुआत हुई. इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि अभियांत्रिकीय संकाय के डीन प्रो. एके सिंह मौजूद रहे. वहीं प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय भी कार्यक्रम में शामिल हुए. प्रो. एके सिंह ने कहा कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डाटा साइंस, ब्लॉक चैन के क्षेत्र में रोजगार एवं रिसर्च के असीम अवसर हैं. यह हैकथॉन छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान में उनकी शैक्षिक शिक्षा का परीक्षण कर रहा है, जिससे नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में छात्रों की रुचि भी बढ़ेगी. डॉ. हिमांशु पांडेय ने कहा कि हैकथॉन छात्रों को न केवल प्रतियोगी क्षमता प्रदान करेगा साथ ही कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्र में आगामी अवसरों के लिए भी तैयार करेगा. हैकथॉन की शुरुआत ब्रीफिंग और परिचय सेशन के साथ हुई. ब्रीफिंग के बाद हैकथॉन के सबसे महत्वपूर्ण और रोचक चरण 'डिफाइनिंग द प्रॉब्लम' की शुरुआत हुई, जिसमें हैकथॉन में प्रतिभाग कर रहे सभी प्रतियोगियों के लिए 'प्रॉब्लम स्टेटमेंट' की व्याख्या दी गई. जिसके बाद 39 टीमों का गठन किया गया.

बीएससी जूलाजी का आंतरिक मूल्यांकन 15 से

LUCKNOW (9 May) : लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलाजी विभाग ने बीएससी व एमएससी सम सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन का शेड्यूल मंगलवार को जारी कर दिया. छात्र-छात्राएं विभाग के नोटिस बोर्ड पर विस्तृत कार्यक्रम देख सकते हैं.

विभाग के हेड प्रोफेसर एम सेराजुद्दीन ने बताया कि एमएससी में 30 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा. इसमें 15 अंक थ्योरी के, 10 अंक असाइनमेंट एवं प्रजेंटेशन के और पांच अंक विद्यार्थियों की उपस्थिति के निर्धारित हैं. एमएससी चौथे सेमेस्टर में थ्योरी का टेस्ट 15 से 18 मई तक होगा. इसके प्रजेंटेशन एवं असाइनमेंट 16 से 24 मई तक समय निर्धारित किया गया है.

एमएससी दूसरे सेमेस्टर में थ्योरी का टेस्ट 22 से 27 मई और प्रजेंटेशन व असाइनमेंट 25 मई से 31 मई तक होगा. बीएससी जूलाजी चौथे सेमेस्टर का आंतरिक मूल्यांकन 23 से 27 मई तक होगा. जूलाजी दूसरे सेमेस्टर का यह मूल्यांकन 22 मई को सुबह 9.20 से 11.10 बजे तक होगा. इसमें थ्योरी, प्रजेंटेशन एवं असाइनमेंट शामिल है. इसके अलावा बीएससी जूलाजी छठे सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन के लिए 25, 26 मई और एक जून की तिथि तय की गई है.

एलयू शिक्षकों को मिले 2.10 करोड़ के प्रोजेक्ट

कैंसर चिकित्सा के लिए दवाओं के संयोजन सहित विभिन्न क्षेत्रों में होगा शोध

LUCKNOW (9 May): लखनऊ विश्वविद्यालय में जल्द ही कैंसर की दवाओं के संयोजन सहित कई नए क्षेत्रों में शोध किया जाएगा. इसके लिए स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना के तहत साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान तथा तकनीकी मंत्रालय ने मेडिसिन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सामाजिक लाभ के अन्य क्षेत्रों में नवीन शोधों के लिए दो करोड़ दस लाख रुपये का अनुदान दिया है.

सात प्रोजेक्ट मिले

एलयू के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विभिन्न विभागों के सात नए संकाय सदस्यों को 30-30 लाख रुपये के सात प्रोजेक्ट मिले हैं. सबसे अधिक चार प्रोजेक्ट रसायन विज्ञान विभाग, दो प्रोजेक्ट जूलाजी विभाग को और एक प्रोजेक्ट सांख्यिकी विभाग को दिया गया है. डा. सुनील कुमार राय स्किन कैंसर चिकित्सा के लिए दवाओं के संयोजन पर आधारित हैं. डा. नीरज कुमार मिश्रा ड्रग कैंडिडेट्स के लेट-स्टेज सी-एच फंक्शनलाइजेशन पर रिसर्च करेंगे, जो औषधीय रसायनज्ञों को लेट-स्टेज ड्रग एनालाग्स की लंबी प्रक्रिया संश्लेषण को बायपास करने में मदद करेगा.

प्रवासी पक्षियों पर शोध

जंतु विज्ञान विभाग के डॉ. आशुतोष रंजन और डॉ. आकांक्षा शर्मा को प्रवासी पक्षियों के व्यवहार पर काम करने के लिए फंड दिया गया है. सांख्यिकी विभाग के प्रो. शशि भूषण रैंक्ड सेट सैंपलिंग प्रोटोकॉल के तहत मजबूत अनुमान प्रक्रियाओं पर काम करेंगे. वहीं, डॉ. प्रतिभा बंसल और डॉ. सीमा मिश्रा अधिक क्षमता वाली विद्युत रासायनिक ऊर्जा भंडारण उपकरणों के निर्माण पर शोध करेंगे.

HINDUSTAN PAGE 6

अब ऐसे पूरा किया जाएगा सिलेबस

ऑनलाइन या एक्सट्रा क्लास से कोर्स पूरा कराया जाएगा

LUCKNOW (9 May): लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में चार जून से गर्मी की छुट्टियां हो जाएंगी. ऐसे में स्नातक और परास्नातक सम सेमेस्टर के सिलेबस को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के कई विभागों ने योजना बनानी शुरू कर दी है. ज्यादातर सिलेबस तीन जून तक पूरा करने की तैयारी है. यदि कोर्स बचता है तो ऑनलाइन या एक्सट्रा क्लास के माध्यम से कोर्स पूरा कराया जाएगा.

काफी लेट हो गया सत्र

दरअसल, विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं मार्च में खत्म होने के बाद अप्रैल में सम सेमेस्टर की पढ़ाई शुरू हुई थी. एक महीने में कुछ कोर्स ही हुआ है. अब गर्मी की छुट्टी की भी घोषणा कर दी गई है. स्टूडेंट्स की पढ़ाई का नुकसान न हो, इसके लिए एलयू के संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों से लेकर कालेजों के प्राचार्यों से सभी पाठ्यक्रमों को समय से पूरा कराने के लिए कहा है. इसी आधार पर विभागों ने तैयारी शुरू कर दी है. सभी शिक्षकों से कहा गया है कि 30 मई तक कोर्स पूरा कर लें. इसके लिए छात्र-छात्राओं की अतिरिक्त कक्षाएं भी ली जा सकती हैं. जून में परीक्षाएं कराने की योजना है.

इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट

30 जून से पहले बीटेक आठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं संपन्न कराकर परिणाम जारी कराना जरूरी है, ताकि छात्रों का नुकसान न हो. इसी आधार पर सम सेमेस्टर का सिलेबस पूरा कराया जाएगा. जल्द ही संकाय के डीन शिक्षकों से बात करेंगे.

यहां भी तैयारी

जंतु विज्ञान विभाग के हेड प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि एमएससी चौथे सेमेस्टर का आधा सिलेबस हो चुका है. दूसरे सेमेस्टर में थ्योरी ज्यादा है, इसलिए कोर्स पूरा होने में दिक्कत नहीं है. बीएससी में अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से गर्मी की छुट्टी से पहले कोर्स खत्म कराया जाएगा. समाजशास्त्र विभाग के हेड प्रो. डीआर साहू के मुताबिक छात्र हित को ध्यान में रखकर सभी शिक्षकों से अनुरोध करेंगे कि आनलाइन माध्यम से भी कक्षाएं लेकर कोर्स समय से पूरा करा लें. अर्थशास्त्र विभाग में छुट्टी से पहले 75 प्रतिशत कोर्स पूरा कराने का लक्ष्य है. भौतिक विज्ञान विभाग में भी आनलाइन व आफलाइन माध्यम से कोर्स खत्म कराया जाएगा.

JAGRAN CITY PAGE I

आनलाइन व एक्सट्रा क्लास से पूरा होगा सिलेबस

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में चार जून से गर्मी की छुट्टियां हो जाएंगी। ऐसे में स्नातक और परास्नातक सम सेमेस्टर के सिलेबस को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के कई विभागों ने योजना बनानी शुरू कर दी है। ज्यादातर सिलेबस तीन जून तक पूरा करने की तैयारी है। यदि कोर्स बचता है तो आनलाइन या अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से कोर्स पूरा कराया जाएगा।

दरअसल, विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं मार्च में खत्म होने के बाद अप्रैल में सम सेमेस्टर की पढ़ाई शुरू हुई थी। एक महीने में कुछ कोर्स ही हुआ है। अब गर्मी की छुट्टी की भी घोषणा कर दी गई है। विद्यार्थियों की पढ़ाई का नुकसान न हो, इसके लिए लवि के संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों से लेकर कालेजों के प्राचार्यों से सभी पाठ्यक्रमों को समय से पूरा कराने के लिए कहा है। इसी आधार पर विभागों ने तैयारी शुरू कर दी है।

विधि संकाय : डीन प्रो. बीडी सिंह के अनुसार सभी शिक्षकों से कहा गया है कि 30 मई तक कोर्स पूरा कर लें। इसके लिए छात्र-छात्राओं की अतिरिक्त कक्षाएं भी ली जा सकती हैं। जून में परीक्षाएं कराने की योजना है।

इंजीनियरिंग संकाय : 30 जून से पहले बीटेक आठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं संपन्न कराकर परिणाम जारी कराना जरूरी है, ताकि छात्रों का नुकसान न हो। इसी आधार पर सम सेमेस्टर का सिलेबस पूरा कराया जाएगा। जल्द ही संकाय के डीन शिक्षकों से बात करेंगे।

यहां भी तैयारी : जंतु विज्ञान विभाग के हेड प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि एमएससी चौथे सेमेस्टर का आधा सिलेबस हो चुका है। दूसरे सेमेस्टर में थ्योरी ज्यादा है, इसलिए कोर्स पूरा होने में दिक्कत नहीं है। बीएससी में अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से गर्मी की छुट्टी से पहले कोर्स खत्म कराया जाएगा। समाजशास्त्र विभाग के हेड प्रो. डीआर साहू के मुताबिक छात्र हित को ध्यान में रखकर सभी शिक्षकों से अनुरोध करेंगे कि आनलाइन माध्यम से भी कक्षाएं लेकर कोर्स समय से पूरा करा लें। अर्थशास्त्र विभाग में छुट्टी से पहले 75 प्रतिशत कोर्स पूरा कराने का लक्ष्य है। भौतिक विज्ञान विभाग में भी आनलाइन व आफलाइन माध्यम से कोर्स खत्म कराया जाएगा।

लवि शिक्षकों को मिले 2.10 करोड़ के शोध प्रोजेक्ट

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में जल्द ही कैंसर की दवाओं के संयोजन सहित कई नए क्षेत्रों में शोध किया जाएगा। इसके लिए स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना के तहत साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान तथा तकनीकी मंत्रालय ने मेडिसिन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सामाजिक लाभ के अन्य क्षेत्रों में नवीन शोधों के लिए दो करोड़ दस लाख रुपये का अनुदान दिया है।

लवि के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विभिन्न विभागों के सात नए संकाय सदस्यों को 30-30 लाख रुपये के सात प्रोजेक्ट मिले हैं। सबसे अधिक चार प्रोजेक्ट रसायन विज्ञान विभाग, दो प्रोजेक्ट जूलाजी विभाग को और एक प्रोजेक्ट सांख्यिकी विभाग को दिया गया है। डा. सुनील कुमार राय स्किन कैंसर चिकित्सा के लिए दवाओं के संयोजन पर आधारित हैं। डा. नीरज कुमार मिश्रा ड्रग कैंडिडेट्स के लेट-स्टेज सी-एच फंक्शनलाइजेशन पर रिसर्च करेंगे, जो औषधीय रसायनज्ञों को लेट-स्टेज ड्रग एनालाग्स की लंबी प्रक्रिया संश्लेषण को बायपास करने में मदद करेगा।

प्रवासी पक्षियों के व्यवहार पर होगा शोध

जंतु विज्ञान विभाग के डा. आशुतोष रंजन और डा. आकांक्षा शर्मा को प्रवासी पक्षियों के व्यवहार पर काम करने के लिए फंड दिया गया है। सांख्यिकी विभाग के प्रो. शशि भूषण रैंक्ड सेट सैंपलिंग प्रोटोकॉल के तहत मजबूत अनुमान प्रक्रियाओं पर काम करेंगे। वहीं, डा. प्रतिभा बंसल और डा. सीमा मिश्रा अधिक क्षमता वाली विद्युत रासायनिक ऊर्जा भंडारण उपकरणों के निर्माण पर शोध करेंगे।

PIONEER PAGE 3

भंडारे में शामिल हुए युगांडा के डैनियल व नामीबिया की सलमा, दिखा उत्साह

पायानियर समाचार सेवा। लखनऊ

ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल पर लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग की तरफ से गेट नंबर चार पर सोमवार को लगाये गये भंडारे में विवि के शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ युगांडा के डैनियल और नामीबिया की सलमा भी शामिल हुई। बता दें कि विश्वविद्यालय में विगत कई दशकों से यह परंपरा रही है कि ज्येष्ठ माह के प्रत्येक बड़े मंगल को अलग.अलग विभागों और अनुभागों द्वारा भंडारे का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में आज लखनऊ विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग ने ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल के अवसर पर विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 पर एक भंडारे का आयोजन किया। इस भंडारे में दिन भर में लगभग ढाई हजार लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों विशेषकर रसायन विज्ञान विभाग, कर्मचारियों और छात्रों ने इसमें प्रतिभाग किया। विभाग प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा ने शुभारंभ में हनुमान जी का आराधना की, उसके बाद प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बता दें कि युगांडा से लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययन करने आए छात्र डैनियल रसायन विज्ञान विभाग से पीएचडी और नामीबिया की सलमा अर्थशास्त्र से पीएचडी कर रही हैं।

एलयू: विदेशी छात्रों ने बांटा प्रसाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पहली बार विदेशी छात्रों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ बडे मंगल के भंडारे में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन छात्रों ने हनुमान जी की पूजा-अर्चना की और प्रसाद वितरित किया। साथ ही कूड़ा निस्तारण में भी सहभागिता निभाई।

रसायन विज्ञान विभाग से 86 साल से गेट नंबर चार के सामने भंडारा लगता है। इसकी नींव चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गुरुदीन ने रखी थी। युगांडा से आए छात्र डैनियल और नामीबिया की सलमा ने भागीदारी दिखाई। सभी ने पूरे उत्साह के साथ शिरकत की और भंडारे में प्रसाद का वितरण किया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सात प्रोफेसरों को मिले रिसर्च प्रोजेक्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● दो करोड़ 10 लाख रुपये के अनुदान से होगा शोध

अमृत विचार : नैक मूल्यांकन में ए डबल प्लस की ग्रेडिंग पाने वाले लखनऊ विश्वविद्यायल में शोध पर फोकस किया जा रहा है। यहां के अलग-अलग विभागों के सात शिक्षकों को तीस-तीस लाख रुपये के रिसर्च प्रोजेक्ट मिले हैं।

नवीन शोधों के लिए स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस (एसयूआरई) योजना के तहत भारत सरकार के विज्ञान तथा तकनीकी मंत्रालय के साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) से दो करोड़ दस लाख का अनुदान मिला है। इसमें सबसे अधिक प्रोजेक्ट रसायन विज्ञान विभाग को चार दो प्रोजेक्ट जंतु विज्ञान, एक प्रोजेक्ट सांख्यिकी को दिया गया है। केमेस्ट्री के डॉ. नीरज मिश्रा को ड्रग कैंडिडेट्स के लेट-स्टेज सी एच फंक्शनलाइजेशन पर काम के लिए अनुदान मिला है। यह औषधीय रसायनों को लेट-स्टेज ड्रग एनालॉग्स की लंबी प्रक्रिया संश्लेषण बायपास करने में मदद करेगा।

प्रोफेसरों के अलग-अलग हैं शोध

डॉ. सुनील कुमार राय को कैंसर चिकित्सा की दवाओं के संयोजन के लिए अनुदान मिला है। डॉ. प्रतिभा बंसल और डॉ. सीमा मिश्रा अधिक क्षमता वाली विद्युत रसायनिक ऊर्जा भंडारण उपकरणों के निर्माण पर काम करेंगे। जूलॉजी विभाग में डॉ. आशुतोष रंजन और डॉ. आकांक्षा शर्मा को प्रवासी पक्षियों के व्यवहार पर काम के लिए फंड दिया गया है। सांख्यिकी विभाग के प्रो. शशि भूषण रैंक्ड सेट सैंपलिंग प्रोटोकॉल के तहत मजबूत अनुमान प्रक्रियाओं पर काम करेंगे। कुलपति प्रो. आलोक राय और अधिष्ठाता छात्र कल्याण व अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने सभी प्रोजेक्ट अवार्डी संकाय सदस्यों को बधाई दी।

> विश्वविद्यालय में रिसर्च को बढ़ावा देने लिए हर संभव कदम उठाये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय को नैक से ए डबल प्लस मिलना बड़ी बात थी लेकिन अब हमारे लिए ये गुणवत्ता बनाये रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस अनुदान से अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय में शोध का पर्यावरण बनेगा। मास्टर और पीएचडी विद्यार्थियों को सीखने के अधिक अवसर मिलेंगे।
> - प्रो. आलोक राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

TOI PAGE 3

LU gets ₹2cr for research projects

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University has received a grant of Rs 2.1 crore from the Science and Engineering Research Board (SERB), Union ministry of science & technology under the scheme State University Research Excellence (SURE) for innovative research in the area of medicines, electronics, etc.

Under this, seven projects, each of Rs 30 lakh, have been awarded to seven teachers in three departments -- chemistry, zoology and statistics. Four chemistry faculties who have been given the project are Neeraj Mishra, Sunil Rai, Pratibha Bansal and Seema Mishra. Ashutosh Ranjan and Aakansha Sharma of the zoology department and Prof Shashi Bhushan from statistics department have also been funded. LU vice-chancellor Prof Alok Rai said, "This grant will boost the research environment in the university."

THE PIONEER PAGE 3

LU gets a grant of Rs 2.1 crore

PNS ■ LUCKNOW

The University of Lucknow has received a grant of Rs. 2.1 crores from the Science and Engineering Research Board (SERB), Ministry of Science & Technology, Government of India under the State University Research Excellence (SURE) scheme. The grant will be utilised for innovative research in areas such as medicine, electronics, and other fields that will benefit society.

Newly appointed faculty members across various departments have been awarded six projects, each worth 30 lakhs. Four projects has been awarded to the Department of Chemistry, followed by the Zoology Department and Statistics, which received two and one project respectively.

Spokesperson of the University said that Neeraj Kumar Mishra would be working on Late-stage C–H functionalisation of drug candidates that would help the medicinal chemists to bypass the long process syntheses of late-stage drug analogues. Sunil Kumar Rai has received funding for researching a combination of drugs for cancer therapy and Pratibha Bansal and Seema Mishra would be working on the manufacturing of highly efficient electrochemical energy storage devices. In the Zoology Department, Ashutosh Ranjan and Aakansha Sharma had been funded to study the behavior of migratory birds. Lastly, Shashi Bhushan from the Statistics Department would on developing robust inferential procedures under ranked set sampling protocols.

Vice Chancellor Alok Kunar Rai and Dean Academic and Student Welfare Poonam Tandon congratulated all the awardees and said that new education policy emphasised research and innovation in the higher education, this funding would the research environment in the University and more opportunities of learning to the master and PhD scholars.

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

एलयू : रिसर्च के लिए मिला 2.1 करोड़ का अनुदान

स्वतंत्र भारत लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को मेडिसिन और इलेक्ट्रॉनिक्स समेत तमाम क्षेत्रों में लेटेस्ट रिसर्च के लिए स्त्रश्च यानी स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस योजना के तहत 2.1 करोड़ रुपए का

केमिस्ट्री के 3, जूलॉजी के 2 और स्टेटिस्टिक्स के एक प्रोजेक्ट के लिए मिला ग्रांट

अनुदान मिला है। यह ग्रांट भारत सरकार के विज्ञान और तकनीकी मंत्रालय के यानी साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड की तरफ से दी बेसिसला शोध प्रोजेक्ट को साकार करने के मकसद से दी गई है।

इसके तहत लखनऊ विश्वविद्यालय के 6 फैकल्टी मेंबर्स को 30-30 लाख की धनराशि के लिए चयनित किया गया। इनमें से केमिस्ट्री डिपार्टमेंट के 3 प्रोजेक्ट्स, जूलॉजी के 2 प्रोजेक्ट और स्टेटिस्टिक्स का एक प्रोजेक्ट शामिल हैं।

इन क्षेत्र में शोध के लिए मिली अनुदान राशि

डॉ.नीरज कुमार मिश्रा ड्रग कैंडिडेट्स के लेट-स्टेज सी-एच फंक्शनलाइजेशन पर काम करेंगे। जो औषधीय रसायनज्ञों को लेट-स्टेज ड्रग एनालॉग्स की लंबी प्रक्रिया को बायपास करने में मदद करेगा।

डॉ.सुनील कुमार राय को कैंसर चिकित्सा के लिए दवाओं के संयोजन के लिए अनुदान मिला है।

डॉ.प्रतिभा बंसल और डॉ.सीमा मिश्रा अधिक क्षमता वाली इलेक्ट्रो केमिकल एनर्जी कंजर्वेशन बेस्ड इफिपमेंट (विद्युत रासायनिक ऊर्जा भंडारण उपकरणों) के निर्माण पर काम करेंगे।

जूलॉजी विभाग में डॉ.आशुतोष रंजन और डॉ.आकांक्षा शर्मा को प्रवासी पक्षियों के व्यवहार पर काम करने के लिए फंड दिया गया है।

सांख्यिकी विभाग के प्रो.शशि भूषण रैंक्ड सेट सैंपलिंग प्रोटोकॉल के तहत मजबूत अनुमान प्रक्रियाओं पर काम करने के लिए अनुदान मिला है